सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 239 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 12 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

जसपाल राणा का निधनः पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मशहूर निशानेबाज और कोच के रूप में मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में दो पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले जसपाल राणा का निधन हो गया है। वह 49 वर्ष के थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत राजनीतिक दिग्गजों ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका जाना भारतीय खेल जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने शूटिंग में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश का मान बढ़ाया। एक कोच और मेंटॉर के तौर पर भी उनका योगदान उतना ही उल्लेखनीय रहा।

दिल्ली के बाद कॉकरोच पार्टी का लखनऊ में धरना प्रदर्शन

लखनऊ। कॉकरोच जनता पार्टी को यूपी की राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित एक गार्डन में धरना स्थल पर प्रदर्शन की अनुमति मिल गई है। पार्टी अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने रात 11:00 बजे इंडिगो फ्लाइट से पुणे से लखनऊ एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी। शुक्रवार सुबह 2:40 पर लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे हैं। अभिजीत दीपके सरोजिनी नगर क्षेत्र में स्थित एक होटल में रुके। शनिवार सुबह 10 बजे लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित एक गार्डन में पहुंचकर वह धरना-प्रदर्शन कर सकते हैं। इसको लेकर पुलिस सतर्क मोड में है।

2027 में एक-दो राज्यों को छोड़ पूर्वोत्तर से हटेगा अफस्पा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर भारत को लेकर दो बड़े ऐलान किए हैं। उन्होंने कहा कि 2027 तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम हटा लिया जाएगा। शाह ने कहा कि अफस्पा के दायरे में लगातार हो रही कमी इस बात का संकेत है कि क्षेत्र में शांति लौट रही है। इसके अलावा केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले इलाके में लंबे समय से बंद पड़े तेल और गैस उत्पादन को फिर से शुरू करने पर सहमति बनी है।

एम्स में 13 घंटे चली खतरनाक हृदय रोग की सर्जरी, बची जान

रायपुर। एम्स रायपुर के हृदय एवं वक्ष शल्य चिकित्सा विभाग ने एक अत्यंत जटिल और जानलेवा हृदय रोग से पीड़ित 38 वर्षीय युवक का सफल उपचार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सरगुजा जिले के निवासी इस मरीज को एक दुर्लभ और अत्यंत गंभीर हृदय संबंधी आपातकालीन स्थिति 'एक्यूट स्टैनफोर्ड टाइप-ए एओर्टिक डिसेक्शन' थी, जिसे सबसे खतरनाक हृदय आपात स्थितियों में से एक माना जाता है। रातभर चली लगभग 13 घंटे की जटिल सर्जरी में क्षतिग्रस्त एओर्टा को कृत्रिम ग्राफ्ट से बदला गया तथा एओर्टिक वाल्व का भी सफल प्रत्यारोपण कर दिया गया।

यूरोपीय हथियारों से होते हैं भारत पर हमले, विदेश मंत्री जयशंकर ने 'कुलतारंता टॉक्स' में कह दिया कड़वा सच

नई दिल्ली (ए.)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूसी तेल खरीद पर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंडों की पोल खोल दी। फिनलैंड में आयोजित 'कुल्तारंता टॉक्स' के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने पर हो रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का निर्णय पूरी तरह से 'राष्ट्रीय हित' और ऊर्जा आवश्यकताओं पर आधारित है। उन्होंने पश्चिमी देशों के 'दोहरे मापदंडों' को उजागर करते हुए कहा कि जब यूक्रेन युद्ध के बाद बाजार में रूसी तेल उपलब्ध था, तो भारत ने अपनी जरूरत के हिसाब से उसे खरीदा।

जयशंकर ने इस बहस में एक बेहद गंभीर और कड़वा सच सामने रखा। उन्होंने कहा, 'किसी भी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं किया गया है, लेकिन काश मैं भारत के संदर्भ में यूरोपीय हथियारों के लिए भी यही

कह पाता।' उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि यूरोप लंबे समय से ऐसे हथियार बेच रहा है जिनका उपयोग भारत के खिलाफ किया जाता रहा है। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि भारत ने कभी यूरोप को नुकसान पहुंचाने वाला कोई कदम नहीं उठाया।

अपनी बात को स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्री ने बताया कि शुरुआत में भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए दबाव बनाया गया, लेकिन सच्चाई यह है कि अमेरिका ने खुद भारत से रूसी तेल खरीदने को कहा था ताकि वैश्विक आर्थिक संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि बाजार में तेल की उपलब्धता और उसकी कीमत के आधार पर भारत ने निर्णय लिया। उन्होंने पश्चिमी देशों की 'नैतिकता' पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें कोई महान सिद्धांत नहीं है, बल्कि यह सिर्फ सुविधा की बात है।

मानसून से पहले ताण्डव : आकाशीय बिजली ने छीनी तीन लोगों की जिंदगी

- कांकेर में उपसरपंच समेत तीन लोगों की हुई मौत, पांच घायल
- वीबी जीराम जी के तहत कर रहे थे तालाब गहरीकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच और दो अन्य लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। अंतागढ़ के ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने को ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए, जहां आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हो गए हैं।

AI इमेज ओपी वर्मा

मामले की जानकारी देते हुए अंतागढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम कुलगांव में चल रहे मनरेगा में काम करने के लिए करीब 50 से 60 मजदूर काम करने के लिए गए हुए थे। शुक्रवार की सुबह अचानक से हुई बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास के पेड़ के नीचे आ गये थे। अचानक से हुए आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि अंतागढ़ ब्लॉक के कलगांव में मनरेगा (जी राम जी) योजना के तहत तालाब गहरीकरण का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई तो वहीं 5 महिला गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। जिसमें 1 महिला को कांकेर रेफर किया जा रहा है। सभी घायलों का इलाज अभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ में जारी है। 8 घायल लोगों में से तीन लोगों की मौत हो गई।

छीन ली तीन जिंदगियां

मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल और उपसरपंच मनराज पटेल हैं। ये सभी कलगांव के निवासी हैं। सभी के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, इस घटना से गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

तेज बारिश और विजिबिलिटी कम

इंडिगो फ्लाइट की बदली दिशा नेताओं को जाना पड़ा नागपुर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दिल्ली से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-5138) खराब मौसम के कारण गुरुवार रात को रायपुर एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर सकी। इसके बाद विमान का रूट बदलकर उसे नागपुर एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया, जहां फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

तेज बारिश और विजिबिलिटी कम होने के कारण विमान की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। कुछ देर तक विमान ने रायपुर के आसपास चक्कर लगाए, इसके बाद फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट करने का फैसला लिया।

मौसम सामान्य होने के बाद रात करीब 11:30 बजे सभी नेता इसी फ्लाइट से सुरक्षित रायपुर पहुंचे। फ्लाइट दिल्ली से शाम 7:30 बजे रवाना हुई थी जिसे 8:55 बजे रायपुर लैंड करना था।

ये नेता थे सवार :

इस फ्लाइट में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह और भाजपा प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास समेत कई प्रमुख नेता सवार थे।

अनुशासनहीनता या बात नहीं मानना नौकरी छीनने की वजह नहीं हो सकती

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी पुराने कर्मचारी को अनुशासनहीनता, हुक्म या आदेश न मानने के लिए नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। ऐसी सजा सिर्फ भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण या एम्प्लॉयर को नुकसान पहुंचाने वाली बुरी नीयत वाली हरकतों के मामलों में ही दी जानी चाहिए। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बात कही है। बेंच ने कहा कि हम काम की जगह पर अनुशासन के महत्व को कम नहीं आंक रहे हैं। लेकिन भ्रष्टाचार, गैर-कानूनी तरीके से पैसे लेना, अनैतिक आचरण, फंड का गलत इस्तेमाल, एम्प्लॉयर को साबित नुकसान, सार्वजनिक बदनामी या संगठन की बदनामी करने वाले व्यवहार के बिना, किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालने जैसी कड़ी सजा नहीं दी जा सकती। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सजा का गलत काम की गंभीरता, पिछले सर्विस रिकॉर्ड, आस-पास के हालात और संस्थान पर गलत काम के असर से उचित संबंध होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नौकरी से निकालने पर कर्मचारी रिटायरमेंट के फायदों से वंचित हो जाता है। न सिर्फ कर्मचारी की मौजूदा कमाई का जरिया खत्म होता है, बल्कि उस पर निर्भर परिवार के सदस्य भी प्रभावित होते हैं। व्यक्ति के सर्विस रिकॉर्ड पर हमेशा के लिए दाग लग जाता है और इससे भविष्य में नौकरी मिलने की संभावनाओं पर बुरा असर पड़ सकता है। खासकर सरकारी नौकरी, वैधानिक निकायों, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग और दूसरे रेगुलेटेड संस्थानों में, जहां पिछले रिकॉर्ड और सर्विस रिकॉर्ड मायने रखते हैं।

टीएमसी के बागियों को कानून नहीं पता : महुआ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सांसदों की बगावत के बीच काकोली घोष दस्तीदार के खेमे में गए सांसदों को निशाने पर लिया है। महुआ ने एक्स पर लिखा कि गद्दार टीएमसी सांसदों को कानून नहीं पता। संविधान के 91वें संशोधन ने बंटवारे और अलग गुट का प्रावधान हटा दिया था। असली राजनीतिक पार्टी के दो-तिहाई लोगों को दूसरी पार्टी में मर्ज करना होगा।

मोहर्रम-उर्स में डीजे, बैंड और आतिशबाजी पर लगाई रोक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मोहर्रम, उर्स और अन्य इस्लामी तकरीबात के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण अपील जारी की है। बोर्ड ने प्रदेश की सभी ताजिया कमेटियों, दरगाह कमेटियों, उर्स कमेटियों, मुतवल्लियान और इंतेजामिया कमेटियों से कहा है कि सभी धार्मिक कार्यक्रम केवल कुरआन, हदीस और शरीअत के मुताबिक ही आयोजित किए जाएं।

जारी ऐलान में स्पष्ट किया गया है कि मोहर्रम, उर्स और अन्य मजहबी आयोजनों में डीजे, धुमाल, बैंड-बाजा, नाच-गाना, आतिशबाजी तथा अन्य गैर-शरई गतिविधियों की किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं होगी। वक्फ बोर्ड ने कहा है कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना सभी संबंधित समितियों की जिम्मेदारी है।

जुलूस, उर्स या मजहबी तकरीब में प्रतिबंधित गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित समिति और उसके जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। संबंधित समिति की मान्यता समाप्त की जा सकती है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित समिति और इंतेजामिया पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

पांचवे माले तक पहुंची पार्किंग की आग तीन की मौत, छह झुलसे, छत से रेस्क्यू

नई दिल्ली (ए.)। तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया।

फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। फायर ब्रिगेड सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने छत पर दरवाजे का लॉक तोड़ा और लोगों को रेस्क्यू किया। छत के रास्ते ही दो लड़कियों को बचाया गया जिन्हें तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। कुछ लोगों को साड़ी की मदद से नीचे उतारा गया। आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों से फैली थी। सभी गाड़ियां पूरी तरह जल गईं। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

विहिप-बजरंग दल ने भूपेश और महंत का पुतला फूंका

कोरबा। गहरा दीपका स्थित बजरंग चौक पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सनातन धर्म के संतों पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में था। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का पुतला भी फूंका। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने सनातन धर्म के महात्माओं पर आपत्तिजनक बयान दिए हैं। इसे हिंदू समाज का अपमान मानते हुए बजरंग चौक पर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुतलों को आग लगा दी।

खदान में डूबने से 13 वर्षीय बालक की मौत, गोताखोरों ने निकाला शव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र स्थित पथरिया खदान में एक 13 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने करीब 50 फीट गहरे पानी से उसका शव बरामद किया। बालक के हाथ में कोल्ड ड्रिंक की बोतल थी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वह बोतल उठाने के प्रयास में गहरे पानी में गिर गया।

परिजनों के अनुसार, आयुष पिता नंदकुमार मार्कंडेय गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस और एसडीआरएफ को सूचना दी।

एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम ने 5:30 बजे पहुंची। लेकिन खदान की अत्यधिक गहराई और अंधेरे के कारण रात में खोज अभियान शुरू नहीं किया जा सका। आज सुबह डीप डाइविंग विशेषज्ञ राजकुमार यादव और चंद्रप्रताप जघेल ने गहरे पानी में उतरकर तलाश शुरू की। सुबह 7 बजे आयुष का शव बरामद कर लिया गया। कोल्ड ड्रिंक की बोतल तब भी उसकी मुट्ठी में थी।

अहमदाबाद विमान हादसे की आज बरसी; 260 लोगों की मौत पर छाया है कोहरा

260 मृतकों के परिजनों को फायनल रिपोर्ट का इंतज़ार

नई दिल्ली (ए.)। रहस्यमय परिस्थितियों में एक विमान टेकऑफ करते ही हादसे का शिकार हो जाता है। विमान में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो जाती है। साथ ही नीचे जमीन पर 19 और लोग भी काल कवलित हो जाते हैं। प्रारंभिक जांच में पता चलता है कि हादसे से पहले पायलटों ने तीन बार मे-डे (खतरा) कॉल किया था। इसके बाद फ्लाइट एक मेडिकल कालेज को हॉस्टल से टकरा जाती है और कोहराम मच जाता है।

12 जून, 2025 को 242 पैसेंजर और क्रू के साथ एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर-एआई-171 ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक के लिए उड़ान भरी थी। टेक ऑफ के चंद सेकंड बाद ही बोइंग का यह बी-787-8

ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया था।

फ्लाइट में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि जमीन पर 19 लोग भी इसमें मारे गए थे। घटना को बीते एक साल हो गया है, लेकिन अभी तक हादसे में मारे गए 260 लोगों के परिवारों को इस एक्सीडेंट के बारे में कोई असलियत सामने नहीं आ सकी है। उन्हें ना तो यह पता है कि प्लेन क्रैश की वजह पायलट की गलती थी, कोई तकनीकी खराबी थी? या फिर कुछ और?

हादसे के एक महीने बाद 12 जुलाई को एएआईबी ने 15 पेज की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें प्लेन के इंजनों को तेल की सप्लाई करने वाले दोनों फ्यूल स्विच ऑफ हो गए थे।

फ्लाइट डेटा रिकार्डर ने बस इतना बताया था

पायलटों की बातचीत से पता लगा कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या उन्होंने फ्यूल स्विच बंद किया है। जवाब में दूसरे पायलट ने इनकार किया था। पायलट ने तीन बार मेडे, मेडे, मेडे कॉल की थी। इंजन बंद होने के बाद पायलटों ने इन्हें स्टार्ट करने की नाकाम कोशिश की थी। टेक ऑफ के 32 सेंकड में प्लेन बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर आग का गोला बन गया था। हादसे की फाइनल जांच रिपोर्ट कब आएगी? इस सवाल का जवाब देने में नागर विमानन मंत्रालय और जांच एजेंसी एएआईबी ने चुप्पी साध रखी है।

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

सशक्तीकरण के दावे हकीकत भी बनें

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फकागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती।

> “ सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं।

देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं। हाल के दिनों में दहेज हत्या के कई बहुचर्चित मामले प्रकाश में आए। एक लड़की की पढ़ाई से लेकर शादी तक मां-बाप काफी खर्च करते हैं, फिर दहेज देने की जरूरत क्यों? छोटी-छोटी बातों में महिलाओं से मारपीट की खबरें आती हैं। वहीं अदिवासी व पिछड़े इलाकों में महिलाओं को डायन बताकर मारने की घटनाएं सामने आती हैं। हमारा समाज आज भी अंधविश्वासों और जादू-टोने के भय से मुक्त नहीं हुआ है। जिसके चलते महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले सामने आते हैं। सर्वेक्षण का यह तथ्य चौंकाता है कि 18 से 49 आयु वर्ग की विवाहिताओं में बाईस फीसदी को वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा है। हालांकि, समय के साथ हिंसा के आंकड़ों में गिरावट आई है, लेकिन इसके बावजूद स्थिति चिंता पैदा करती है। जो किसी सभ्य समाज के माथे पर एक दाग की तरह ही है। हमारी व्यवस्था की विसंगतियां, पुरुष प्रधान सोच और हिंसा रोकने के लिये बनाए गए कानूनों के क्रियान्वयन में खामियां महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने में बाधक हैं। जो सामाजिक विसंगति की ओर इशारा करता है। यदि समय रहते कानून प्रवर्तन एजेंसियां संवेदनशील ढंग से कदम उठायें तो महिलाएं खुद को घर-बाहर सुरक्षित महसूस कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किशोर अवस्था के दौरान यौन-हिंसा का शिकार होने का प्रतिशत शहरों के मुकाबले अधिक होना, ग्रामीण समाज में विद्रूपताओं को दर्शाता है। जरूरी है कि ग्रामीण समाज में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग किया जाए।

फाइबर अर्थव्यवस्थाः भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

गिरिराज सिंह

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। बुनी हुई हवा कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है।

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाज़ारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ़ फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोज़िट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं।

बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए - पर आधारित है ।

इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर - 20एC तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10त हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5-2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है।

केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाज़ार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ़ बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं।

इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिज़ाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया।

इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं।

शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है—जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है - ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें।

इसके लाभ पूरी मूल्य शृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है।

असल में, न्यू एज फाइबर मुहिम जीवन को रूपांतरित करने, किसानों के लिए अवसर सृजित करने, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बनाने, महिलाओं को सशक्त करने और उद्यमियों को स्थानीय संसाधनों से वैश्विक व्यवसाय खड़ा करने में सक्षम बनाने के बारे में है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्रक मोदी के 5एफ विज़न— खेत से फाइबर, कपड़े से फैशन और विदेश तक से प्रेरित, भारत की ग्रीन फाइबर क्रांति कोई दूर का सपना नहीं है। रणनीति तय है, संस्थान सक्रिय हैं, विज्ञान प्रमाणित हो चुका है, और उद्यमी तैयार हैं। आज भारत जो कर रहा है फाइबर दर फाइबर, मिश्रण दर मिश्रण, क्षेत्र दर क्षेत्र, और खेत दर खेत—अपनी वस्त्र गाथा का अगला महान अध्याय लिख रहा है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं)

फुटबाल विश्व कप में तीसरी दुनिया की दस्तक

हरजीत सिंग

पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं।

आज से शुरू हो रहे तेईसवें विश्व कप फुटबाल में लेतिन अमेरिका और यूरोपीय देशों के मुकाबले में तीसरी दुनिया के देश मिस्र, दक्षिण कोरिया, ईरान, इराक, जापान, मोरक्को, घाना, अल्जीरिया, सेनेगल कुल मिला कर 23 देश नजर आयेंगे। यह तय है कि विश्व फुटबाल पर लेतिन अमेरिकी (10 ख़िताब) और यूरोपीय देशों (12 ख़िताब) के वर्चस्व को अभी तो कोई खतरा नहीं है। पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में खासकर 1982 से तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं।

आठवें दशक के अंत में जब फीफा अध्यक्ष हवेलेंज ने यह प्रस्ताव रखा था कि 1982 विश्व कप में 16 की बजाय 24 टीमें भाग लेंगी, तब उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस प्रस्ताव की आलोचना करने वालों में फुटबाल की श्रेष्ठ शक्तियां ही थीं, जबकि तीसरी दुनिया के देशों ने प्रस्ताव का स्वागत किया था। आलोचकों का कहना था कि इस स्वरूप के परिवर्तन से हालैंड की जगह न्यूजीलैंड, आयरलैंड की जगह कैमरून, उरुग्वे की जगह कुवैत, स्काटलैंड की जगह अल्जीरिया आदि कमजोर टीमें विश्व कप में पहुंच जायेंगी और इस से फुटबाल का स्तर गिरेगा, लेकिन इन्हीं आलोचकों को तब मुंह की खानी पड़ी, जब 1982 विश्व कप में अल्जीरिया ने दो बार की चैंपियन पश्चिम जर्मनी को 2-1 से पीट दिया।

अल्जीरिया ने पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद चिली टीम को भी हराया, पर वह गोल औसत के आधार पर दूसरे चक्र में न पहुंच सके। इस विश्व कप में एक अन्य अफ्रीकी देश कैमरून ने अपने ग्रुप के तीनों ही मैच इटली, पौलेंड व पेरु के विरुद्ध बराबर रखे, वह भी मात्र गोल औसत के आधार पर प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

विश्व कप फुटबाल पर एक नजर डाली जाए तो कुछ मुकाबलों को छोड़कर तीसरी दुनिया के देशों ने कई मैचों में सराहनीय खेल का प्रदर्शन दिखाया है। पहले किसी अफ्रीकी देश के रूप में मिस्र ने 1934 में विश्व कप फुटबाल में भाग लिया था। अपने एकमात्र मैच में वे हंगरी से 4-2 से हारे। तीसरी दुनिया के देशों की विश्व कप में पहली बड़ी सफलता 1966 विश्व कप में देखने को मिली, जब उत्तरी कोरिया की टीम ने दो बार की चैंपियन इटली को 1-0 से पीट डाला। कोरिया का प्रदर्शन इतना अच्छा रहा कि उन्हें सेमीफाइनल में जाने से रोकने के लिए पुर्तगाल को पूरा जोर लगाना पड़ा क्योंकि कोरिया एक समय 3-0 से आगे थी। फाइनल स्कोर 5-3 पुर्तगाल के पक्ष में रहा।

वर्ष 1970 में अफ्रीका के छोटे से देश मोरक्को ने अपनी सुंदर फुटबाल से सब का मन मोह लिया। बुलगारिया के विरुद्ध उन्होंने मैच बराबर रखा, जबकि पश्चिम जर्मनी के विरुद्ध पहले हाफ में 1-0 से बढ़त लेने के बाद 2-1 से हारे। वर्ष 1986 विश्व कप में एक बार फिर अफ्रीका के इस देश ने सबको चकित कर दिया। वह अपने ग्रुप में इंग्लैंड, पौलेंड और पुर्तगाल जैसी सशक्त टीमों से ऊपर रहे और दूसरे चक्र में खेले। पुर्तगाल को उन्होंने 3-1 से पीटा और इंग्लैंड व पौलेंड के विरुद्ध मैच गोल-रहित रखे।

दूसरे चक्र में भी इस टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, पर कड़े संघर्ष के बावजूद वह पश्चिमी जर्मनी से 1-0 से हार गये। इस प्रकार मोरक्को पहली अफ्रीकी टीम बनी जो यूरोप और अमेरिका (1966 में उत्तर कोरिया के बाद) के बाहर से केवल दूसरा राष्ट्र रहा जो दूसरे दौर में पहुंचा। इसी मोरक्को ने 2022 विश्व कप फुटबाल में कमाल कर दिया जब वह चौथे स्थान पर रहा। यह किसी भी अफ्रीकी या अरब राष्ट्र का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप फिनिश रहा। अपने ग्रुप में टॉप पर रहने के बाद मोरक्को ने दूसरे दौर में स्पेन को हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पुर्तगाल को हराया। तीसरे स्थान के लिए वह क्रोएशिया से हार गए।

कैमरून 1990 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना पर चौंकाने वाली जीत के साथ की। वे क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हारे। तीसरी दुनिया का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन 2002 विश्व कप फुटबाल में देखने को मिला।

पहले ही दिन अफ्रीकी देश सेनेगल ने गत चैंपियन फ्रांस को 1-0 से हराया। जब सेनेगल ने अतिरिक्त समय में गोल्डन गोल के साथ स्वीडन को 2-1 से हराया, तो अंतिम आठ में पहुंचने वाली केवल दूसरी अफ्रीकी टीम बन गई (1990 में कैमरून के बाद)। एक और हैरान करने वाली टीम मेजबान दक्षिण कोरिया रही। वे पोलैंड (2-0), पुर्तगाल (1-0), इटली (2-1) और स्पेन (पेनल्टी 5-3) को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। ऐसा करने वाली पहली एशियाई टीम रही। तीसरे स्थान के लिए तुर्की ने दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराया।

वर्ष 2010 विश्व कप के राउंड 16 में, घाना अतिरिक्त समय के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका को हराकर अंतिम आठ में पहुंचने वाला तीसरा अफ्रीकी देश बना (1990 में कैमरून और 2002 में सेनेगल के बाद)। 2014 में पहली बार, अफ्रीका (नाइजीरिया और अल्जीरिया) की दो टीमें दूसरे दौर में आगे बढ़ीं, एक उपलब्धि जो 2022 के टूर्नामेंट में दोहराई गई।

ब्रिक्स और कृषि व्यापार की नई दिशा

एम.एल. जाट एवं स्मिता सिरोही

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ऐसे समय कर रहा है जब कृषि व्यापार की चर्चा केवल शुल्क और बाजार पहुंच तक सीमित नहीं रह गई है। जलवायु संकट, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव, उर्वरकों की आपूर्ति में रुकावट, सतत उत्पादन से जुड़े मानक, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की डिजिटल जानकारी तथा संकट के समय बाजारों को खुला रखने की जरूरत अब कृषि व्यापार के अहम मुद्दे बन चुके हैं।

कृषि क्यों महत्वपूर्ण है

ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था, अंकटाड, के हालिया आकलन के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 2003 के बाद तेरह गुना से अधिक बढ़ा है और 2024 में 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। कृषि इस बड़े व्यापारिक परिदृश्य का केवल एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में है। जब खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, उर्वरकों की आपूर्ति रुकती है या समुद्री मार्गों में अनिश्चितता आती है, तो इसका सीधा असर किसानों, उपभोक्ताओं और सरकारों पर पड़ता है। इसलिए कृषि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है। रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है। चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है। दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है। नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। मिस्र और इथियोपिया अफ्रीका की खाद्य प्रणाली से जुड़ी चिंताओं को सामने लाते हैं, जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल, मत्स्य क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय कृषि की ताकत जोड़ता है।

आपसी ताकतों को ठोस व्यवस्था में बदलना

लेकिन केवल बड़े पैमाने और आपसी ताकतों के मेल से अपने-आप मजबूत व्यापार व्यवस्था नहीं बनती। आगामी ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह सहयोग को कुछ ठोस दिशाओं में आगे बढ़ाए। इनमें भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था, बीज, उर्वरक और अन्य उत्पादन सामग्री की मजबूत आपूर्ति

श्रृंखला, बेहतर बाजार जानकारी और ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं शामिल हैं जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो। भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था को शुरुआती प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कृषि व्यापार में केवल माल भेजना पर्याप्त नहीं है; यह भी उतना ही जरूरी है कि उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्रोत पर भरोसा हो। कृषि व्यापार सुविधा पर 2024 के ब्रिक्स सिद्धांत पहले ही खाद्य सुरक्षा, पशु-पौध स्वास्थ्य और तकनीकी मानकों से जुड़े सहयोग, एक-दूसरे के मानकों को स्वीकार करने की व्यवस्था, कम व्यापार लागत और डिजिटल व्यापार सुविधा जैसे बुनियादी मुद्दों को मान्यता देते हैं। भारत इस एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्रमाणपत्रों, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की भरोसेमंद डिजिटल जानकारी, नियामकों के बीच तेज संवाद और उत्पादकों व निर्यातकों की क्षमता निर्माण पर जोर दे सकता है।

दूसरी प्राथमिकता मजबूत आपूर्ति श्रृंखला होनी चाहिए। खाद्य व्यापार को उर्वरक, ऊर्जा, पशु आहार, बीज, ढुलाई-भंडारण और वित्त से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत के लिए यह कोई दूर की चिंता नहीं है। उसके उर्वरक और ऊर्जा आयात का आधे से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आता है। इसलिए उत्पादन सामग्री की सुरक्षा सीधे कृषि की मजबूती से जुड़ी हुई है। पश्चिम एशिया के हालिया संकटों ने दिखाया है कि खाद्य पदार्थों के बाजार तक पहुंचने से बहुत पहले ही उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसलिए ब्रिक्स सहयोग में उर्वरकों और अन्य उत्पादन सामग्री के बाजारों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, भंडार और कीमतों पर पारदर्शी जानकारी, और जरूरी कृषि सामग्री की आपूर्ति में अचानक आने वाली रुकावटों को कम करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए।

तीसरी प्राथमिकता बेहतर बाजार जानकारी है। ब्रिक्स अनाज विनिमय का विचार इस बात की जरूरत को दिखाता है कि खाद्य बाजारों में अधिक पारदर्शिता, बेहतर मूल्य संकेत और खाद्य सुरक्षा की तैयारी होनी चाहिए। भारत इस दिशा में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच के भीतर कृषि बाजार जानकारी से जुड़ी एक व्यवस्था का प्रस्ताव रख सकता है। यह मंच पहले से ही ज्ञान से कार्य की दिशा में विकसित किया जा रहा है। ऐसी व्यवस्था खाद्य भंडार, फसल की स्थिति, उर्वरक कीमतों, जहाजरानी जोखिमों, खाद्य सुरक्षा और पशु-पौध स्वास्थ्य से जुड़े अलर्ट तथा प्रमुख कृषि जिंसों के रुझानों पर नियमित जानकारी दे सकती है। इससे देश संकट गहराने से पहले ही तैयारी कर सकेंगे।

व्यापार को किसान-केन्द्रित बनाना

चौथी प्राथमिकता ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं होनी चाहिए जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि कृषि व्यापार केवल बड़ी मात्रा में अनाज, तेल, चीनी या अन्य जिंसों की खरीद-बिक्री तक सीमित रह गया, तो उससे छोटे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीमित लाभ ही मिलेगा। कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन 2026 से निकली दिल्ली घोषणा ने कृषि-खाद्य व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व और भागीदारी को केंद्र में रखा है। भारत इस भावना को ब्रिक्स के कृषि व्यापार एजेंडे में आगे बढ़ा सकता है, ताकि छोटे किसानों, विशेषकर महिला किसानों और ग्रामीण युवाओं को केवल बाजार के लिए उत्पादन करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर मिले।

इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य खाद्य पदार्थों से जुड़े किसी बंद गुट का निर्माण करना नहीं है। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृषि व्यापार एक अनिश्चित दुनिया में खाद्य सुरक्षा, किसानों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर ढंग से काम करे। भारत इस एजेंडा को आकार देने की दृष्टि से सही स्थिति में है क्योंकि उसे खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन, छोटे किसानों पर आधारित कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि अनुसंधान का खासा अनुभव है।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता इस एजेंडे को व्यावहारिक रूप देने का समय पर मिला अवसर है। छोटे लेकिन सुविचारित कदम भी संकट के समय कृषि व्यापार को अधिक भरोसेमंद, नियमों की दृष्टि से अधिक पारदर्शी और किसानों के लिए अधिक सुलभ बना सकते हैं। यह अधिक मजबूत, भरोसेमंद और किसान-केंद्रित कृषि व्यापार व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 को, 2029 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 जून 2026 (बुधवार) को एक वृहद जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन खम्हरिया, भिलाई स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक से मिली जानकारी के अनुसार, इस रोजगार मेले में कुल 10 प्रतिष्ठित नियोजकों की ओर से तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणी के कुल 2,029 रिक्त पदों पर भर्तियां की जाएंगी। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं, जिनमें कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक (बीए, बीएससी आदि), स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग, जीएनएम, एएनएम और डिप्लोमा पैरामेडिकल उत्तीर्ण आवेदक शामिल हो सकते हैं।

नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

दुर्ग । आगामी नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शंकराचार्य कॉलेज ऑफनर्सिंग, हुडको भिलाई में परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले के 19 परीक्षा केन्द्रों में 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। एसओपी का कड़ाई से पालन करते हुए पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने सभी परीक्षा केन्द्रों में पेयजल, पंखे, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई 18 को

दुर्ग। महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आगामी 18 जून 2026 को दुर्ग जिले में एक वृहद जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह जनसुनवाई 18 जून को पूर्वान्ह 11.00 बजे से बाल गृह परिसर, पांच बिल्डिंग स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय, दुर्ग के 'प्रेरणा सभाकक्ष' में आयोजित की जाएगी। इस सुनवाई पीठ (न्यायपीठ) की अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्यगण ओजस्वी मण्डावी व सुश्री दीपिका शोरी द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी, जिसमें महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल 49 निर्धारित प्रकरणों पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका मौके पर ही निपटारा किया जाएगा। महिला आयोग द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं।

पीएम स्वनिधि महोत्सव में उमड़ा उत्साह, विक्रेताओं ने लिया लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत गुरुवार को नगर पालिक निगम दुर्ग के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में बड़ी संख्या में पथ विक्रेताओं ने भाग लेकर विभिन्न शासकीय योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने विभिन्न विभागों और बैंकों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा पथ विक्रेताओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया और अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

महोत्सव में कुल 169 पथ विक्रेताओं एवं 27 बैंकों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई। पीएम स्वनिधि योजना के तहत नए ऋण लाभार्थियों की पहचान के लिए चलाए गए विशेष अभियान में 87 नए आवेदकों को ऋण के लिए चिन्हांकित किया गया। वहीं विभिन्न बैंकों द्वारा 45 हितग्राहियों को ऋण वितरित किया गया तथा 54 प्रकरणों में ऋण स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा 5 हितग्राहियों के क्रेडिट कार्ड आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए।

डिजिटल भुगतान और वित्तीय साक्षरता पर जोर

पथ विक्रेताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण सत्र में इंडसइंड बैंक के प्रतिनिधि दिलेश्वर निषाद ने साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल भुगतान संबंधी जानकारी दी। अग्रणी बैंक के लेखराम ने वित्तीय साक्षरता पर मार्गदर्शन देते हुए बचत, ऋण प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं के महत्व को समझाया। डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर द्वारा 8 पथ विक्रेताओं को क्यूआर कोड बॉक्स वितरित किए गए, जिससे वे कैशलेस भुगतान प्रणाली से जुड़ सकें।

स्वास्थ्य परीक्षण और शासकीय योजनाओं का लाभ

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के जितेंद्र नेले ने खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण दिया। वहीं शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत संचालित मेडिकल यूनिट द्वारा 46 पथ विक्रेताओं का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर में राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आयुष्मान भारत योजना से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं, जिससे हितग्राहियों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सुविधाओं का लाभ मिला।

उत्कृष्ट वेंडर्स और बैंकों का सम्मान

महोत्सव के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 पथ विक्रेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन में योगदान के लिए भारतीय स्टेट बैंक और केनरा बैंक को भी सम्मानित किया गया। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने तथा डिजिटल भुगतान अपनाने का आह्वान किया।

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा पथ विक्रेताओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं निगम की टीम उपस्थित रही।

शिव महापुराण कथा में गणेश जन्म, विवाह प्रसंग का वर्णन: लिटिया सेमरिया में श्रद्धालुओं ने रिद्धि-सिद्धि संग बारात का आनंद लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्राम लिटिया सेमरिया में चल रही संगीतमय शिव महापुराण कथा के छठवें दिन भगवान श्री गणेश के जन्म और विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास आचार्य डॉ विक्रांत दुबे महाराज ने यह कथा सुनाई, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर गणेश जी रिद्धि-सिद्धि सहित ढोल-बाजे के साथ धूमधाम से बारात लेकर आए। सभी श्रद्धालुओं ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शकुन्तला ओमप्रकाश शर्मा, पवन शर्मा जिला पंचायत दुर्ग उपाध्यक्ष एवं शर्मा परिवार लिटिया सेमरिया द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में आचार्य विक्रांत दुबे ने बताया कि हिंदू धर्म में गणेश जी को पांच प्रमुख पूजे जाने वाले देवताओं में से एक माना जाता है। पढ़ाई, ज्ञान, धन लाभ और अच्छी सेहत के लिए भी गणेश जी की पूजा की जाती है। शिव महापुराण के अनुसार, गणेश जी का शरीर लाल और हरे रंग का होता है। ब्रह्मावैवर्त पुराण के मुताबिक, माता पार्वती ने संतान प्राप्ति के लिए पुण्यक व्रत रखा था, जिसके फलस्वरूप उन्हें गणेश जी पुत्र रूप में प्राप्त हुए। ब्रह्मावैवर्त पुराण में यह भी वर्णित है कि जब सभी देवता गणेश जी को आशीर्वाद दे रहे थे, तब शनि देव सिर झुकाए खड़े थे। माता पार्वती ने उनसे इसका कारण पूछा तो शनि देव ने बताया कि यदि वे गणेश जी को देखेंगे, तो उनका सिर शरीर से अलग हो सकता है। कथा व्यास ने बताया कि गणेश भगवान ने तुलसी से कहा था कि कलयुग में वह जीवन और मोक्ष देने वाली होंगी, लेकिन उनकी पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं होगा। इसलिए गणेश भगवान को तुलसी चढ़ाना शुभ नहीं माना जाता है। शिव महापुराण के अनुसार, गणेश जी की दो पत्नियां रिद्धि और सिद्धि थीं, और उनके दो पुत्र शुभ और लाभ हैं।

विक्रांत महाराज ने बताया कि कैसे शिव और पार्वती के तप, श्रद्धा और सृष्टि के कल्याण हेतु दोनों पुत्रों का प्राकट्य हुआ। सबसे पहले उन्होंने कार्तिकेय जी की उत्पत्ति की कथा सुनाई — जिनका जन्म त्रिलोक की रक्षा हेतु हुआ था। भगवान कार्तिकेय को शिव के तेज से उत्पन्न बताया गया, और फिर छह कृतिकाओं द्वारा उनका लालन-पालन कराए जाने की रोचक गाथा को श्रोताओं के समक्ष जीवंत किया। इसके पश्चात ने भक्तों को भगवान गणेश की लीला का स्मरण कराया — कैसे माता पार्वती ने अपने उबटन से गणेश जी की रचना की, और शिव द्वारा उनका सिर काटे जाने के बाद गजमुख स्वरूप में पुन: जीवन प्रदान किया गया। इस प्रसंग को सुनाते हुए उन्होंने गणेश जी के पहले पूज्य होने का रहस्य भी उजागर किया। पूरे दिन का माहौल भक्ति, प्रेम और ज्ञान से सराबोर रहा। कथा के अंत में डॉ विक्रांत महाराज ने दोनों देवों की पूजा और उनके गुणों की महिमा बताते हुए यह संदेश दिया कि गणेश जी से हमें विवेक और विनम्रता की शिक्षा मिलती है।

निगम की बड़ी कार्रवाई: शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन-2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए

निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही समय-समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद 9 जून को जोन-2 वैशाली नगर के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पुरैना में 149.21 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन, विधायक ललित चंद्राकर ने दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के पुरैना वार्ड क्रमांक 39 में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने गुरुवार को ?149.21 लाख की लागत से किए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान आहाता बाउंड्रीवाल, स्ट्रीट लाइट, पेवर ब्लॉक, डोमशेड, सीसी रोड एवं भवन निर्माण सहित कुल छह विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को मिली।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का लगातार विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुरैना में शुरू होने वाले इन कार्यों से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और नागरिकों को बेहतर वातावरण मिलेगा।

उन्होंने बताया कि आहाता बाउंड्रीवाल के निर्माण से सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जबकि स्ट्रीट लाइट व्यवस्था से क्षेत्र में रोशनी बढ़ेगी। वहीं सीसी रोड और पेवर ब्लॉक निर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा डोमशेड सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा डबल इंजन की सरकार में विकास की गति निरंतर जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत-2047' और राज्य सरकार के 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। आने वाले समय में पुरैना सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में और अधिक विकास कार्य कराए जाएंगे।

कार्यक्रम में मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, महामंत्री नरेन्द्र निर्मलकर, रिसाली नगर निगम सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सदस्य सनीर साहू, पार्षद विक्की चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि गोविन्द साहू सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय का विकसित छग खाका नीति आयोग में पेश, पीएम मोदी ने की सराहना-रत्नावली

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रस्तुत समग्र विकास विजन एवं बस्तर क्षेत्र हेतु घोषित जनकल्याणकारी योजनाओं की मुक्त कंठ से सराहना की है।

विकसित छत्तीसगढ़ का रोडमैप देश के सामने, महिला सशक्ति करण और सामाजिक न्याय का प्रतीक

रत्नावली कौशल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का यह विजन केवल विकास का रोडमैप नहीं, बल्कि आदिवासी बहुल बस्तर के सतत विकास, सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। यह प्रथम अवसर है जब नक्सल प्रभावित क्षेत्र को विकास, शिक्षा और समृद्धि के केंद्र में रखकर नीति-निर्माण किया गया है। विकास विजन की प्रमुख उपलब्धियां। आय क्रांति से आर्थिक आत्मनिर्भरता:बस्तर के आदिवासी परिवारों की मासिक आय को 3 वर्ष में 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने का संकल्प दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक है। इससे न केवल घरेलू आय में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में गुणात्मक परिवर्तन आएगा। महिला सशक्तिकरण की सुदृढ़ नींव आर्थिक स्वावलंबन से ही रखी जाती है।

डेयरी सिटी से महिला स्वरोजगार की नई गाथा: डेयरी सिटी की परिकल्पना ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान सिद्ध होगी। दूध पाय, भैंस वितरण एवं संग्रहण केंद्रों के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को सामूहिक उद्यमिता का सशक्त मंच प्राप्त होगा। 2000 करोड़ रुपए से अधिक के मेगा प्रोजेक्ट से बस्तर की महिलाएं अब केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उद्यमी बनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगी। सिंचाई क्रांति से किसान समृद्धि: 32,000 हेक्टेयर भूमि में 'खेत तक पानी' पहुंचाने की घोषणा कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से फसल विविधिकरण संभव होगा, कृषि उत्पादन बहुगुणित होगा और अन्नदाता की आय में दीर्घकालिक स्थिरता आएगी। यह योजना किसान को वास्तव में आत्मनिर्भर बनाएगी। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका एजुकेशन सिटी से युवाओं को नई उड़ान:अबुधमाड़-जगरगुंडा में 100 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाली 'एजुकेशन सिटी' अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ग्रामीण युवाओं के लिए आशा की नवकिरण है। कृत्रिम मेधा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर एवं रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण से बस्तर का युवा अब रोजगार का अन्वेषक नहीं, अपितु रोजगार का सृजनकर्ता बनेगा। प्रशिक्षण केंद्रों में स्थानीय भाषा एवं सांस्कृतिक संवेदनशीलता को प्राथमिकता देना अत्यंत स्वागत योग्य कदम है। सेवा डेरा और डिजिटल स्वास्थ्य से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच: 200 सुरक्षा शिविरों को 'सेवा डेरा' में रूपांतरित कर 371 केंद्र एवं राज्य योजनाओं को एकीकृत मंच पर लाना प्रशासनिक दक्षता एवं संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। 36 लाख नागरिकों का डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल निर्माण स्वास्थ्य सेवाओं को पारदर्शी, त्वरित एवं सुलभ बनाएगा। इससे ग्रामीण महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं दूरस्थ अंचलों के निवासियों को सर्वाधिक लाभ प्राप्त होगा।

पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति: बस्तर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स एवं जंगल सफारी जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का निर्णय सराहनीय है। इससे स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष आर्थिक भागीदारी मिलेगी तथा बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच प्राप्त होगा। रत्नावली कौशल ने विश्वास व्यक्त किया कि इन ऐतिहासिक पहलों से बस्तर की आर्थिक तस्वीर ही नहीं बदलेगी, बल्कि सामाजिक संरचना में भी सकारात्मक रूपांतरण आएगा। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार होगा, महिलाओं की आर्थिक भूमिका सुदृढ़ होगी तथा हिंसा से पहचान रखने वाले इस क्षेत्र की छवि विकास के आदर्श मॉडल क्षेत्र के रूप में स्थापित होगी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मिस्ड कॉल देकर जुड़िये योग सेशन में, राज्य को राष्ट्रीय गौरव प्रदान कराने मे बने सहभागी

रायपुर। वैश्विक स्वास्थ्य के लिए वर्तमान परिदृश्य में योग, भारत का विश्व के लिए अमूल्य उपहार है, जो भारत की संस्कृति में रचा बसा है, स्वस्थ्य व्यक्ति ही मानव जीवन का सम्यक उपयोग एवं उपभोग कर सकता है, हमारे आयुर्वेद में भी कहा गया है। धर्म अर्थ काम मोक्षाणां । आरोग्यं मूल मुत्तमम ।। इस अनुक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 को स्वस्थ्य आयु के लिए योग थीम पर आयोजन किया जाना है एवं उक्त आयोजन का 'योग संगम पोर्टल' **https//yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam** पर योगाभ्यासी की संख्या एवं फेटो भी अपलोड कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जा सकता है। स्वस्थ्य आयु हेतु योग से अधिकाधिक जन-सामान्य को जोड़ने हेतु भारत सरकार आयुष मंत्रालय ने Guinness World Record बनाने हेतु दिनांक 14.06.2026 को प्रात: 6:15 से 7:35 तक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 में मिस्ड कॉल देकर व्हाट्सएप में योग सत्र लिंक प्राप्त करने लक्ष्य रखा गया है इस रिकॉर्ड में सहयोग हेतु योग सत्र में छत्तीसगढ़ की अग्रणी भूमिका हो।

ओवररेटिंग मामले मे चार आबकारी उप निरीक्षक निलंबित

रायपुर। आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ ने राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों में निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री और नियंत्रण में लापरवाही के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए चार आबकारी उप निरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। निलंबित अधिकारियों में धमतरी जिले के कुरूद के वृत्त प्रभारी पुरूषोत्तम सिन्हा (आबकारी उप निरीक्षक), खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के गंडई वृत्त प्रभारी प्रभाकर सिरमौर (आबकारी उप निरीक्षक), बलौदाबाजार जिले के सिमगा वृत्त प्रभारी मनराखन नेताम (आबकारी उप निरीक्षक) तथा रायपुर जिले के पंडरी वृत्त प्रभारी कौशल किशोर सोनी (आबकारी उप निरीक्षक) शामिल हैं। जांच में गंडई, हिरमी, कुरूद और फाफाडीह शराब दुकानों में छद्म ग्राहकों के माध्यम से की गई खरीद में निर्धारित दर से 10 से 60 रुपये तक अधिक वसूली की पुष्टि हुई। संबंधित शराब दुकानों के विक्रयकर्ताओं के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 39(ग) के तहत प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

सुशासन तिहार में अंजनी साहू की समस्या का हुआ त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप शासन की योजनाओं का लाभ समय पर और सहजता से आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सुशासन तिहार लोगों के लिए राहत और विश्वास का माध्यम साबित हुआ है। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुलमुला निवासी अंजनी साहू की समस्या का त्वरित समाधान इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण है। अंजनी साहू को लंबे समय से राशन कार्ड नहीं होने के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। राशन कार्ड के अभाव में उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न और अन्य शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उन्होंने अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी।

बस्तर में दूध, खेतों तक पानी, युवाओं को काम और गांवों को नई पहचान देने की तैयारी

बस्तर में आमदनी दोगुनी करने का बड़ा संकल्प: तीन साल में हर परिवार की आय 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंचाने का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की नई तस्वीर देश के सामने रखी। उन्होंने कहा कि दशकों तक हिंसा की मार झेलने वाला बस्तर अब आर्थिक पुनरुत्थान, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और कृषि आधारित विकास का मॉडल बनेगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर के आदिवासी परिवारों की आय दोगुनी करने, दुग्ध क्रांति लाने, 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, पर्यटन को बड़े उद्योग के रूप में विकसित करने तथा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। वहां दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, खेतों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, गांवों में डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में बस्तर के परिवारों की मासिक आय बढ़ाकर 30 हजार रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बस्तर के लगभग 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। सरकार खेती, पशुपालन, वन उपज, छोटे उद्योग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में डेयरी मॉडल को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत आदिवासी परिवारों को दुधारू गाय और भैंस उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य गांवों में स्थायी आय का स्रोत तैयार करना है। इस पहल से महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा गांवों में डेयरी केंद्र, दूध संग्रहण, परिवहन और स्थानीय बाजार जैसी नई आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले दो बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इंद्रावती नदी क्षेत्र में सालभर पानी उपलब्ध होने से खेती बेहतर होगी, उत्पादन बढ़ेगा और किसान धान के साथ-साथ सब्जियां, फल तथा अन्य नकदी फसलें भी उगा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगभग 36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इससे मरीजों के इलाज, बीमारी और दवाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा डॉक्टरों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगा।

उन्होंने बताया कि बस्तर में बने लगभग 200 सुरक्षा शिविरों को अब सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बैंकिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चित्रकोट और बौद्ध धर्म से जुड़े तीर्थस्थल सिरपुर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित कर रही है। बस्तर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स और जंगल सफारी जैसी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है, जबकि सिरपुर में ग्लोबल मेडिटेशन सेंटर, संग्रहालय और महानदी तट के विकास पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार का बड़ा माध्यम बन सकता है। पर्यटकों के आने से होटल, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प, दुकानदारों और स्थानीय उद्यमियों को रोजगार मिलता है। बस्तर को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से हजारों युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेश, सुशासन और तकनीक आधारित विकास को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राज्य में 435 सुधार लागू किए गए हैं और सिंगल विंडो सिस्टम को मजबूत बनाकर निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दो आधुनिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और डिजिटल तकनीक के जरिए विकास का नया मॉडल तैयार किया जा रहा है। अबूझमाड़ और जगरगुंडा में 100 करोड़ रुपये की लागत से एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। इसके साथ ही 341 पीएमश्री स्कूल, 5,857 स्मार्ट क्लासरूम और 16 स्थानीय भाषाओं में द्विभाषी पुस्तकों के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एग्रीस्टैक योजना के तहत 33 लाख से अधिक किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ा गया है। डिजिटल द्वार प्लेटफॉर्म और अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार ने एआई मिशन, पर्यटन मिशन, खेल मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्टअप-निपुण मिशन शुरू किए हैं। इन मिशनों से युवाओं को रोजगार, तकनीक और उद्यमिता के नए अवसर मिलेंगे तथा छत्तीसगढ़ को नवाचार और निवेश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत छत्तीसगढ़ में उद्योग, निवेश और निर्यात को नई गति मिली है। खेल सामग्री, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायो-एथेनॉल, गारमेंट और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन इंडस्ट्रीज को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना से राज्य के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी 2026 तक 761.76 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ, जिसमें खुशबूदार चावल का सबसे बड़ा योगदान रहा। इससे किसानों, कारीगरों और उद्यमियों की आय में वृद्धि हो रही है।

महुआपारा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण, बच्चों को मिला बेहतर वातावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले के विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम जोधपुर के महुआपारा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर भवन का शुभारंभ किया। नए भवन के शुरू होने से क्षेत्र के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

लोकार्पण के बाद कलेक्टर त्रिपाठी ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर रसोई कक्ष, शौचालय, पेयजल व्यवस्था सहित उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र के सुव्यवस्थित संचालन तथा सभी हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि पूर्व में केंद्र निजी भवन में संचालित हो रहा था। वर्तमान में केंद्र में 23 बच्चे एवं 3 गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं, जिन्हें नियमित रूप से विभागीय सेवाएं और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

कलेक्टर ने बच्चों की पोषण स्थिति, सीखने-सिखाने की गतिविधियों तथा गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के साथ-साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आईसीएआर-एनआईबीएसएम द्वारा खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आईसीए आर राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने एवं मृदा स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से एक व्यापक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बेलटुकरी, कुररा, नौगांव एवं पवनी ग्रामों के 51 किसान एवं महिला किसानों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय के संबोधन से हुआ।

उन्होंने किसानों को खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा की उर्वरता एवं उसके समग्र स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मृदा की गुणवत्ता को पुनर्स्थापित करना तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर कृषि भूमि की उत्पादक क्षमता को सुदृढ़ बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को संस्थान के प्रायोगिक प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया गया, जहाँ कार्यक्रम समन्वयक एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने मूंग की फसल का हरी खाद के रूप में उपयोग करने का सजीव प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि हरी खाद के प्रयोग से मृदा में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ती है, मृदा की संरचना में सुधार होता है तथा दीर्घकालिक रूप से मृदा स्वास्थ्य एवं कृषि की स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

तकनीकी सत्रों के दौरान संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित ने विभिन्न प्रकार की हरी खाद वाली फसलों एवं मृदा उर्वरता बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके माध्यम से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है तथा मृदा स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकीय संतुलन को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। किसानों को संबोधित करते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. कल्याण मंडल ने जैव उर्वरकों एवं जैव नियंत्रक एजेंटों के उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों से पर्यावरण हितैषी कृषि तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया, जिससे टिकाऊ फसल उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित संवादात्मक सत्र में किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। किसानों ने संस्थान द्वारा आयोजित व्यावहारिक प्रदर्शनों एवं ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण सत्रों की सराहना की।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. के.सी. शर्मा एवं डॉ. प्रियंका मीणा का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग एवं समर्पित प्रयासों से कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सका।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ की नई रूपरेखा तैयार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और डिजिटल हेल्थ पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, सुलभ और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने नई पहल शुरू की है। इसी कड़ी में गुरुवार को स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर में आयोजित 'स्वस्थ छत्तीसगढ़ परामर्श' में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने राज्य की स्वास्थ्य चुनौतियों और संभावनाओं पर मंथन किया।

बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच, स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में चिन्हित किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया ने की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसके लिए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने तथा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर काम किया जा रहा है। इस दौरान आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं श्री संजीव कुमार झा भी उपस्थित थे।

बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी लाने के लिए गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित जांच, सुरक्षित प्रसव और प्रभावी रेफरल व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। विशेष रूप से दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा की गई। सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के पास बर्थ वेटिंग होम स्थापित करने, आपातकालीन परिवहन सेवाओं को और मजबूत करने तथा प्रसूति सेवाओं से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों के कौशल विकास पर भी जोर दिया गया।

बाल स्वास्थ्य से जुड़े सत्रों में नवजात मृत्यु, निमोनिया, डायरिया और कुपोषण जैसी चुनौतियों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने जन्म के तुरंत बाद स्तनपान, नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल और समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में यह भी बताया गया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आंकड़ों और तकनीक का बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य योजनाओं की निगरानी, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और जरूरत के अनुसार सेवाओं के विस्तार के लिए डेटा आधारित निर्णयों पर जोर दिया गया। दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए भर्ती, प्रशिक्षण और स्वास्थ्यकर्मियों को लंबे समय तक सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहन संबंधी उपायों पर भी चर्चा हुई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की उपलब्धियों को भी साझा किया गया। बताया गया कि व्यापक स्वास्थ्य जांच, गांव-गांव तक पहुंच और तकनीक के उपयोग से बस्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सकारात्मक परिणाम मिले हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने ई-संजीवनी, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड,आधारित सेवाओं और ऑनलाइन रेफरल व्यवस्था के विस्तार को भविष्य की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। इससे मरीजों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

परामर्श के अंत में स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं पर व्यापक सहमति बनी। विशेषज्ञों ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार, स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने, मानव संसाधनों को मजबूत करने और डिजिटल तकनीकों के अधिक उपयोग से छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकता है। बैठक से प्राप्त सुझावों के आधार पर राज्य के लिए एक सशक्त स्वास्थ्य रोडमैप तैयार किया जाएगा, जो बेहतर स्वास्थ्य संकेतकों और सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मार्गदर्शक बनेगा।

संयुक्ता हेगड़े के इस अंदाज को देखकर विक्रम हुए खुश, सीधे दे दी ये फिल्म

अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े अब तमिल फिल्म चियान 63 का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता विक्रम मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आनंद शंकर कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि संयुक्ता को यह किरदार निर्माताओं ने तब दिया, जब उन्होंने उन्हें साड़ी पहनकर पुश-अप्स करते देखा। इस फिल्म के जरिए रिया शिबू भी तमिल इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं।

संयुक्ता ने विक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद विनम्र स्वभाव के हैं। उन्होंने बताया कि विक्रम अपनी शूटिंग न होने पर भी अक्सर सेट पर आते थे।

संयुक्ता के मुताबिक, पर्दे पर उनका किरदार उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री को उनके भरपूर समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया।

इस फिल्म की शूटिंग 7 जून, 2026 को शुरू हो चुकी है। यह फिल्म विक्रम की पिछले साल आई वीरा धीरा सूरण: पार्ट 2 के बाद बड़े पर्दे पर उनकी वापसी है।

ऋतिक रोशन और रजनीकांत 40 साल बाद दिखेंगे एक साथ, 'जेलर 2' में होगा धमाकेदार कैमियो

'जेलर 2' में शाहरुख खान की जगह अब ऋतिक रोशन नजर आएंगे। ऐसा 40 साल बाद होगा, जब ऋतिक रोशन और रजनीकांत एक साथ फिल्म में नजर आएंगे।

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

40 साल बाद साथ नजर आएंगे ऋतिक और रजनीकांत

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है।

कब रिलीज होगी 'जेलर 2'

इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

आयरन तवे का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है खाने का स्वाद

आयरन तवा एक खास रसोई का सामान है, जिसका सही इस्तेमाल करना जरूरी है। अक्सर लोग इसे इस्तेमाल करते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जो उनके खाने के स्वाद और सेहत पर असर डाल सकती हैं। इस लेख में हम ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें सुधारकर आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं और अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्म तवे पर सीधे तेल न डालें

आयरन तवे पर सीधे तेल डालना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे तवे पर खाना बनाते समय तेल जल्दी जल जाता है और खाने का स्वाद बिगड़ जाता है। इसके बजाय पहले तवे को अच्छी तरह गर्म करें और फिर उसमें थोड़ा-सा तेल डालें। इससे खाना अच्छे से पकेगा और उसका स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इस तरीके से आप अपने खाने का अनुभव सुधार सकते हैं।

डिटर्जेंट का उपयोग न करें

आयरन तवे की सफाई करते समय डिटर्जेंट का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे की सतह खराब हो सकती है और खाने का स्वाद भी बिगड़ सकता है। तवे को साफ करने के लिए हमेशा गर्म पानी और हल्के साबुन का इस्तेमाल करें। अगर तवे पर जिद्दी दाग लगे हों तो उसे नरम कपड़े से रगड़ें और सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे तवे की सतह सुरक्षित रहती है और खाने का स्वाद भी बेहतरीन बना रहता है।

तुरंत पानी डालने से बचें

कुछ लोग तवे पर खाना बनाने के बाद तुरंत उसे ठंडा करने के लिए उस पर पानी डाल देते हैं, जो कि सही नहीं है। ऐसा करने से तवे जल्दी खराब हो सकता है और उसमें जंग लग सकता है। सही तरीका यह है कि तवे को पहले हल्का ठंडा होने दें और फिर उसे साफ करें। इस तरीके से तवे की उम्र बढ़ती है और आपके खाने का अनुभव बेहतर बना रहता है।

तेज आंच पर न पकाएं

आयरन तवे पर खाना बनाते समय तेज आंच का इस्तेमाल करने से बचें क्योंकि इससे खाना जल सकता है और उसका स्वाद बिगड़ जाता है। हमेशा मध्यम आंच पर ही खाना पकाएं ताकि वह अच्छे से पके और स्वादिष्ट बने। इससे न केवल आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि तवे की उम्र भी बढ़ेगी और उसमें जंग लगने की संभावना कम होगी।आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं।

धातु की चम्मच का उपयोग न करें

आयरन तवे पर खाना बनाते समय धातु की चम्मच का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे पर खरोंचें पड़ सकती हैं और उसकी सतह खराब हो सकती है। इसके बजाय लकड़ी या सिलिकॉन की चम्मच का इस्तेमाल करें, जो तवे को सुरक्षित रखेंगी।

अजय देवगन ने दिखाई धमाल 4 की पहली झलक, फिल्म के मजेदार पोस्टर हुए जारी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म धमाल 4 का पहला कैरेक्टर पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर को देखकर साफहै कि फिल्म में पहले की तरह ही जबरदस्त कॉमेडी, हंगामा और रोमांच देखने को मिलेगा।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार करेंगे। पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, इन दोनों का एक ही लक्ष्य है, सोना हासिल करना। इन पोस्टर में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी की झलक दिखाई गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म पहले 17 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते पहले 10 जुलाई को रिलीज किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 जुलाई का स्लॉट खाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस नई तारीख की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने धमाल सीरीज की पिछली सभी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज और देवगन फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस बार फिल्म धमाल 4 में संजीदा शेख, अंजली आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे कलाकार भी हंसी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद से फैंस के बीच धमाल 4 को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

सीरीज राख का नया ट्रेलर जारी, रंगा-बिल्ला मामले की परतें खोलेंगे अली फजल

अली फजल की सीरीज राख के पहले ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था। अब निर्माताओं ने इसका दूसरा ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया। पुलिस की वर्दी पहने सब-इंस्पेक्टर जयप्रकाश के किरदार में अली दमदार नजर आए हैं। सोनाली बेंद्रे भी इसका हिस्सा हैं। पाताल लोक के निर्देशक प्रोसित रॉय ने राख का निर्देशन किया है। सीरीज दिल्ली के चर्चित गीता और संजय चोपड़ा अपहरण मामले से प्रेरित बताई जा रही है।

ट्रेलर की शुरुआत 1970 के दौर से होती है, जब इंसानी क्रूरता का भयानक चेहरा दिखता है। 2 बच्चों के अपहरण और कत्ल की घटना ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। मामले की जांच ईमानदार पुलिस अधिकारी (अली) को सौंपी जाती है। जैसे-जैसे जांच बढ़ती है, शहर में एक के बाद एक कत्ल का सिलसिला सामने आता है। इसके जरिए निर्माता रंगा-बिल्ला केस की परतों को खोलते दिखेंगे। सीरीज 12 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राख एक काल्पनिक क्राइम-थ्रिलर सीरीज है। इसका निर्देशन और एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन प्रोसित रॉय ने किया है। सीरीज को अनुषा नंदकुमार और संदीप साकेत ने मिलकर बनाया, लिखा और सह-निर्देशित किया है, जबकि इसके संवाद आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं।

यह सीरीज 12 जून को भारत में हिंदी में और दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी।

गर्भावस्था के दौरान योग अपनाने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

गर्भावस्था के दौरान योग करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प हो सकता है। यह न केवल मां के लिए बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी फायदेमंद है। योग से मां को शारीरिक और मानसिक आराम मिलता है और शिशु का विकास भी सही तरीके से होता है। इस लेख में हम आपको गर्भावस्था के दौरान योग करने के 5 मुख्य फायदे बताएंगे, जिनसे आपकी गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

बढ़ सकती है शारीरिक सक्रियता

गर्भावस्था के दौरान योग करने से मां की शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। यह न केवल वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है, बल्कि शरीर में लचीलापन भी लाता है। नियमित योग करने से पीठ दर्द, पैरों में सूजन और अन्य शारीरिक समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा योग से मां के शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, जिससे बच्चे के जन्म के समय सहूलियत होती है।

मिल सकती है मानसिक शांति

गर्भावस्था के दौरान मानसिक तनाव सामान्य है, लेकिन योग करने से मानसिक शांति मिलती है। योगाभ्यास जैसे सांस लेने के अभ्यास और ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है। इससे मां को बेहतर नींद भी मिलती है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नियमित ध्यान और सांस के अभ्यास से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है, जिससे गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

सांस लेने की तकनीक में हो सकता है सुधार

योग करने से सांस लेने की तकनीक में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए सही तरीके से सांस लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और थकान कम होती है। सांस के अभ्यास जैसे अनुलोम-विलोम आदि से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। सही तरीके से सांस लेने से मां और शिशु दोनों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

पाचन में हो सकता है सुधार

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कब्ज, गैस आदि। योग करने से पाचन में सुधार होता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। हल्के-फुल्के योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन आदि पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा योग से पेट की चर्बी भी कम होती है, जिससे पाचन और भी मजबूत होता है।

प्रसव पूर्व तैयारी होती है बेहतर

योग करने से प्रसव पूर्व तैयारी बेहतर होती है। इससे मां की मानसिक स्थिति मजबूत होती है और वह बच्चे के जन्म के समय अधिक तैयार महसूस करती है। योगाभ्यास से मां के शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे बच्चे का जन्म आसान होता है। इसके अलावा योग से मां का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वह प्रसव के दौरान कम डरती है और अधिक सकारात्मक महसूस करती है।

खास खबर

आर्द्रभूमि संरक्षण में जन भागीदारी को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। आर्द्रभूमियां हमारी प्रकृति का सबसे उत्पादक और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन्हें अक्सर प्रकृति के गुर्दे या जैविक सुपरमार्केट कहा जाता है, क्योंकि ये पर्यावरण और मानव जीवन के लिए कई अनमोल सेवाएं प्रदान करते हैं। ये क्षेत्र वनस्पतियों और जीवों की हजारों प्रजातियों (विशेषकर प्रवासी पक्षियों, उभयचरों और मछलियों) का प्रमुख प्राकृतिक आवास हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए ये बेहद जरूरी हैं। छत्तीसगढ़ में आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) के संरक्षण और सतत प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रायपुर में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफ्ईएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों, पंचायत प्रतिनिधियों, शोध संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों तथा समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के सदस्य सचिव मथेश्वरन वी. (आईएफएस) ने किया। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमियां जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और स्थानीय आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नारायणपुर का मॉडल बना मिसाल, किसानों के खेतों में फलदार क्रांति

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत नारायणपुर जिले के ओरछा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंदला के आश्रित ग्राम बासीन में किसानों की आय बढ़ाने और हरित विकास को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल सामने आई है। यहां किसानों के खेतों में लगाए गए फलदार वृक्षों में लगभग 99 प्रतिशत पौधे जीवित एवं स्वस्थ पाए गए हैं, जो योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सफल उदाहरण बनकर उभरा है। मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत नर्सरी में उद्यान विभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले ग्राफ्टेड आम के पौधे तैयार किए गए और वित्तीय वर्ष 2025-26 में चयनित किसानों के खेतों में उनका रोपण कराया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ उपलब्ध कराना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में फलदार वृक्षों का विस्तार करना है। योजना के तहत केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि पौधों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक वर्ष तक रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। साथ ही उद्यान विभाग द्वारा किसानों को सामूहिक फेंसिंग (बाड़बंदी) का लाभ दिया गया, जिससे पौधों को नुकसान से बचाया जा सका।

पर्याप्त खाद उपलब्ध, भंडारण और वितरण पिछले वर्ष की तुलना में तेज

रायपुर। पर्याप्त खाद उपलब्ध, भंडारण और वितरण पिछले वर्ष की तुलना में तेजआगामी खरीफसीजन के लिए बिलासपुर जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने व्यापक स्तर पर भंडारण एवं वितरण की व्यवस्था की गई है। जिले में वर्तमान में 49 हजार 772 टन उर्वरकों का भंडारण उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में उपलब्ध 37 हजार 987 टन भंडारण की तुलना में लगभग 31 प्रतिशत अधिक है। किसानों की मांगों को देखते हुए शासन द्वारा पर्याप्त मात्रा में खाद का अग्रिम भंडारण किया गया है। कृषि विभाग के उप संचालक पी.डी. हाथेश्वर ने बताया कि बिलासपुर जिले में खरीफ2026 के लिए कुल 68 हजार 950 टन उर्वरक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, विरुद्ध अब तक 49 हजार 772 उर्वरक उपलब्ध कराया जा चुका है।

वन धन विकास केंद्र कौरिनभाठा बना महिला सशक्तिकरण का मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

महुआ आधारित उत्पादों से आदिवासी महिलाओं को मिली नई पहचान और आत्मनिर्भरता

रायपुर। महुआ से समृद्धि की राह का मूल उद्देश्य पारंपरिक और औषधीय गुणों वाले महुआ के वैज्ञानिक संग्रहण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण व आदिवासी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है । इसे आय और रोजगार का एक स्थायी साधन बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वनोपज आधारित आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में राजनांदगांव जिले का वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) कौरिनभाठा महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। महुआ आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण से यहां की आदिवासी महिलाओं को रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया अवसर मिला है।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के सहयोग से संचालित इस केंद्र में महिला स्व-सहायता समूहों को आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिष्ठित संस्थानों सीएफटीआरआई मैसूर और सिफेट लुधियाना से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन ने महिलाओं के कौशल को नई दिशा दी है। महुआ और मिलेट्स (मोटे अनाज) को

मिलाकर कुकीज़, ब्राउनी और पैनकेक बनाए जा रहे हैं। केंद्र से जुड़ी महिलाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध महुआ और मोटे अनाज (मिलेट्स) का उपयोग कर महुआ लड्डू, महुआ स्क्वैश, महुआ अचार, महुआ एनर्जी बार, महुआ कुकीज़, महुआ जैम तथा मिलेट कुकीज़ जैसे उत्पाद तैयार कर रही हैं। पौष्टिकता, गुणवत्ता और प्राकृतिक स्वाद के कारण इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इनकी बिक्री प्रदर्शनी, खुदरा विक्रय केंद्रों और ऑनलाइन माध्यमों से की जा रही है।

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में प्रेरक पहल

महुआ बिना पूंजी के प्राप्त होने वाला एक प्राकृतिक उपहार है, जो ग्रामीण महिलाओं को सीधे तौर पर आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है ।वन धन विकास केंद्र कौरिनभाठा आज इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कौशल विकास, मूल्य संवर्धन और सामूहिक उद्यमिता के माध्यम से वनोपज को समृद्धि का आधार बनाया जा सकता है। यह केंद्र महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

आय में वृद्धि से मजबूत हुई आजीविका

यह आयरन, विटामिन और कैल्शियम से भरपूर एक सुपरफूड है, इससे प्राकृतिक सिरप, मूसली और शहद जैसे उत्पाद तैयार हो रहे हैं जो मधुमेह के मरीजों के लिए भी उपयोगी हैं। इस पहल ने क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं के लिए स्थायी रोजगार और आय के अवसर सृजित किए हैं। परंपरागत वनोपज को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादों में बदलकर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं और अन्य समूहों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। वन धन विकास केंद्र कौरिनभाठा ने वर्ष 2020 से मार्च 2026 तक लगभग 1.26 करोड़ रुपये का कुल विक्रय किया है। इस अवधि में समूह को लगभग 3.41 लाख रुपये का लाभ और कमीशन प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि दर्शाती है कि वनोपज आधारित उद्यमिता ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

'आकार-2026' में सिपोरेक्स और थर्माकोल से गढ़ी गई कला की नई दुनिया

श्रीकंचनपथ समाचार

80 प्रशिक्षार्थियों ने सीखी पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता से जुड़ी अभिनव तकनीक

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला प्रशिक्षण शिविर 'आकार-2026' ने इस वर्ष प्रतिभागियों को केवल पारंपरिक और लोक कलाओं से ही नहीं, बल्कि नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक एक अनूठी कला से भी परिचित कराया। शिविर के दौरान बोनसाई कला के अंतर्गत प्रशिक्षुओं ने ऐसी तकनीक सीखी, जिसने सामान्यत: अनुपयोगी समझे जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स और थर्माकोल के टुकड़ों को आकर्षक कलाकृतियों में बदल दिया।

शिविर में प्रतिभागियों ने बेकार समझकर फेंक दिए जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स एवं थर्माकोल पीस से विभिन्न आकार-प्रकार के कलात्मक गमले, प्राकृतिक लैंडस्केप, पहाड़, चट्टानें तथा सजावटी संरचनाएं तैयार करना सीखा। कला और पर्यावरण संरक्षण के इस अद्भुत संगम ने प्रशिक्षार्थियों को न केवल नई रचनात्मक संभावनाओं से परिचित कराया, बल्कि उन्हें अपशिष्ट सामग्री के

उपयोग के प्रति भी जागरूक बनाया।

इस विशेष प्रशिक्षण का संचालन प्रसिद्ध बोनसाई विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सिखाया कि किस प्रकार साधारण और अनुपयोगी सामग्री को कल्पनाशीलता और तकनीकी कौशल के माध्यम से आकर्षक कलाकृतियों में परिवर्तित किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने सामग्री चयन, डिजाइन निर्माण, आकार निर्धारण, रंग-सज्जा तथा बोनसाई प्रदर्शन के लिए उपयुक्त लैंडस्केप तैयार करने की बारीकियों से भी प्रशिक्षुओं को अवगत कराया।

शिविर में लगभग 80 प्रशिक्षार्थियों ने इस अनूठी विधा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। युवा कलाकारों से लेकर वरिष्ठ कला प्रेमियों तक, सभी ने पूरे मनोयोग से इस कला को सीखा और अपने हाथों से आकर्षक मॉडल तैयार किए। प्रशिक्षण के अंतिम दिनों में तैयार की गई कलाकृतियों ने दर्शकों और अन्य प्रतिभागियों का भी ध्यान आकर्षित किया।

प्रशिक्षार्थियों ने बताया कि यह कला न केवल सौंदर्यबोध विकसित करती है, बल्कि कम लागत में घर, बगीचे और सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने का अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने इस नवाचारी प्रशिक्षण को 'आकार-2026' की सबसे रोचक और उपयोगी गतिविधियों में से एक बताया।

विशेष बात यह रही कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग सभी प्रतिभागियों ने इस विधा के प्रति गहरी रुचि व्यक्त करते हुए आगामी 'आकार' शिविरों में भी इसे पुन: सीखने और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा जताई। प्रशिक्षार्थियों का मानना है कि यह कला भविष्य में स्वरोजगार और रचनात्मक उद्यमिता के नए अवसर भी उपलब्ध करा सकती है।

गौरतलब है कि 25 मई से 9 जून 2026 तक आयोजित संस्कृति विभाग के कला प्रशिक्षण शिविर 'आकार-2026' में चित्रकला, मूर्तिकला, लोक एवं जनजातीय कलाओं सहित अनेक विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर का समापन 9 जून को रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई विविध कलाओं का प्रदर्शन भी किया गया। बोनसाई कला के अंतर्गत सिपोरेक्स और थर्माकोल से कलात्मक संरचनाएं बनाने का यह प्रयोग शिविर की सबसे चर्चित और सराहनीय गतिविधियों में शामिल रहा।

कारोबार की दुनिया में चमकीं बेलपान की महिलाएं, बनीं 'लखपति दीदी'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिलासपुर जिले की तखतपुर जनपद पंचायत के ग्राम बेलपान की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि अवसर, आत्मविश्वास और सामूहिक प्रयास मिल जाएं तो ग्रामीण महिलाएं भी सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं।

कभी घर-परिवार और खेती-किसानी तक सीमित रहने वाली राधा कृष्ण महिला स्व-सहायता समूह की पांच महिलाओं ने आज अपने गांव में एक नई पहचान बनाई है। उनकी मेहनत और उद्यमशीलता ने उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में स्थापित कर दिया है। समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तय किया। उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 15 हजार रुपये की आरएफ राशि, 60 हजार रुपये की सीआईएफ सहायता तथा बैंक से 6 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग का उपयोग करते हुए महिलाओं ने हल्दी, मिर्च और अन्य मसालों के प्रसंस्करण के साथ मुरकु और पापड़ निर्माण का व्यवसाय शुरू किया।

गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और निरंतर परिश्रम के बल पर उनका कारोबार लगातार बढ़ता गया। आज समूह की प्रत्येक सदस्य प्रतिमाह लगभग 45 से 50 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही है। बढ़ी हुई आमदनी से परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जरूरतों को पूरा करना आसान हो गया है। समूह की महिलाएं बताती हैं कि पहले गांव में उनकी कोई विशेष पहचान नहीं थी, लेकिन आज वे सफल उद्यमी के रूप में जानी जाती हैं।

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की 27वीं क्षेत्रीय बैठक संपन्न

श्रम सचिव ने मृत्यु क्लेम और निष्क्रिय खातों पर तेज कार्रवाई करने के निर्देश दिए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय 27वीं बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने की। श्री गुप्ता ने निर्देश दिए है कि मृत्यु प्रकरणों में तेजी से ईएसआईसी के साथ समन्वय कर उद्योगों में होने वाले आकस्मिक मृत्यु प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर तत्काल निपटाया जाए। सचिव ने कहा कि निष्क्रिय भविष्य निधि खातों के लाभार्थियों की पहचान कर उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में प्रत्येक माह की 27 तारीख को आयोजित निधि आपके निकट कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, ईएसआईसी सहायक श्रम आयुक्त, उप श्रम आयुक्त एवं संबंधित राज्य सरकार के विभागों को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए।

बैठक का संचालन सदस्य सचिव एवं क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त जयवदन इंगले द्वारा किया गया। क्षेत्रीय भ.नि. आयुक्त जयवदन इंगले ने बैठक में संगठन की व्याप्ति, न्यायालयीन प्रकरणों, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, कर्मचारी पंजीकरण योजना 2025,

प्रयास, तत्पर, कन्वर्जेंस बैठक तथा नवीन साइट्स प्रोजेक्ट की प्रगति पर जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे नियोक्ताओं एवं पीएफसदस्यों को निधि आपके निकट कार्यक्रम में भाग लेकर समस्याओं का समाधान कराने हेतु प्रोत्साहित करें।उल्लेखनीय है कि कर्मचारी भविष्य निधि क्षेत्रीय समिति प्रत्येक राज्य में सांविधिक प्रावधानों के तहत गठित एक महत्वपूर्ण परामर्शदात्री समिति है। बैठक में छत्तीसगढ़ में ईपीएफ अधिनियम के अनुपालन, सामाजिक सुरक्षा लाभों के विस्तार तथा कार्यालय की उपलब्धियों एवं चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उप केंद्रीय श्रमायुक्त बिधान चंद्र नायक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उप निदेशक एन.के. पटनायक एवं रत्नेश राजन्या उपस्थित रहे।

नियोक्ता पक्ष से छ.ग. उद्योग महासंघ के अध्यक्ष महेश कक्कड़ और उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग सम्मिलित हुए। कर्मचारी प्रतिनिधि के रूप में राधेश्याम जायसवाल, ईश्वर चंदेल, शंख ध्वनि सिंह एवं एच.एस. मिश्रा ने भाग लिया।

खुशियों की चाबी से साकार हो रहा पक्के घर का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । अपना पक्का घर हर परिवार का सपना होता है। बालोद जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इस सपने को तेजी से साकार कर रही है।

सुशासन तिहार 2026 के दौरान बालोद जिले में आयोजित समाधान शिविरों में जब जनप्रतिनिधियों ने आवास लाभार्थियों को उनके नए घरों की 'खुशियों की चाबी' सौंपी, तो अनेक परिवारों की वर्षों पुरानी आकांक्षा पूरी होने की खुशी उनके

चेहरों पर साफ झलक उठी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत 54,151 आवासों में से 48,421 आवास पूर्ण हो चुके हैं। यह कुल लक्ष्य का 89.42 प्रतिशत है। शेष 5,730 आवास निर्माणाधीन हैं, जिन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के लिए लाभार्थियों से लगातार संपर्क कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सुशासन तिहार के शिविरों में प्रत्येक शिविर में औसतन 5 से 7 आवास हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। लाभार्थियों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए अन्य ग्रामीणों से समय पर आवास निर्माण पूरा करने तथा जल संरक्षण के लिए सोकपिट निर्माण कराने की अपील भी की। योजना के तहत निर्माण कार्यों में वित्तीय बाधा न आए, इसके लिए शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्यों को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई है। इसी क्रम में बालोद जिले के 3,278 लाभार्थियों के लिए 10.12 करोड़ रुपये के एफ्टीओ (फंड ट्रांसफर ऑर्डर) जारी किए गए हैं। यह राशि शीघ्र ही डीबीटी के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंचेगी। इससे आवास निर्माण में गति आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की तस्वीर और अधिक सशक्त होगी।

घनश्याम को मिला नि:शुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुगम और प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। राजनांदगांव जिले में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं नागरिकों को उनके घर के समीप उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को त्वरित लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में राजनांदगांव शहर के मोहड़ वार्ड निवासी घनश्याम दास साहू को जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से निरूशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा प्राप्त हुई। वे मोहड़ स्कूल परिसर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने पहुंचे थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

केंद्र सरकार ने कृषि नवाचार, जल संरक्षण और किसान आय वृद्धि के प्रयासों की सराहना की

पीएम धन-धान्य कृषि योजना में जशपुर मॉडल बना राष्ट्रीय पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि विकास, जल संरक्षण एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए जशपुर जिले में किए जा रहे नवाचारों को भारत सरकार ने सराहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव तथा योजना के केंद्रीय नोडल अधिकारी श्री पी. अंबलगन (आईएएस) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की समीक्षा करते हुए जशपुर मॉडल को प्रभावी, दूरदर्शी और किसान हितैषी बताया।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों तथा वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में सुगंधित एवं औषधीय फसलों के क्लस्टर

विकास, संविदा खेती को प्रोत्साहन, जीराफूल धान के रकबे का विस्तार, निर्यात योग्य धान क्लस्टर, सामुदायिक बीज बैंक, ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन व्यवस्था को प्रमुखता दी गई है।

बैठक में खरीफसीजन 2026-27 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि किसानों के लिए बीज एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। संभावित एल-नीनो परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अल्प अवधि वाली धान किस्मों के साथ मोटे अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि मौसमीय चुनौतियों के बावजूद उत्पादन प्रभावित न हो।

जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत जिले में संचालित जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन कार्यों की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से जल संसाधनों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। संयुक्त सचिव श्री अंबलगन ने इन प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जल संरक्षण कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का आधार है। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं ग्रामीण विकास विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण, किसान उत्पादक संगठनों (एफ्पीओ) के सशक्तिकरण, मूल्य संवर्धन एवं बाजार संपर्क गतिविधियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। किसानों की आय में स्थायी वृद्धि के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ कृषि आधारित उद्यमिता, आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण और विपणन को भी समान महत्व देना आवश्यक है।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दुर्ग में अवैध गुटका फैक्ट्री पर पुलिस का छापा, 10 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने अवैध गुटका निर्माण और पैकेजिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना अंडा क्षेत्र में संचालित दो अवैध इकाइयों का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त कार्रवाई में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मौके से भारी मात्रा में कच्चा माल, मशीनें, पैकेजिंग सामग्री और तैयार गुटका उत्पाद जब्त किए गए हैं। ग्राम कुथरेल और अंडा क्षेत्र में अवैध रूप से गुटका निर्माण एवं पैकेजिंग का कार्य संचालित किया जा रहा है। सूचना के बाद थाना अंडा पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने दोनों स्थानों पर दबिश दी। जांच के दौरान गुटका निर्माण में प्रयुक्त रसायन, कच्चा माल, पैकेजिंग सामग्री, मशीनें तथा बड़ी मात्रा में तैयार और अर्द्धनिर्मित उत्पाद बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में बिना किसी वैधानिक अनुमति के गुटका निर्माण और पैकेजिंग का कारोबार संचालित किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने समस्त सामग्री जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में बिरेन्द्र तिवारी, सुभाष कुमार गौतम, सुनील कुमार राजपूत, करण राजपूत, राजू मस्ताना, राजकुमार यादव, रमेश कुमार निषाद, सतेन्द्र कुमार यादव, सोनू यादव और बसंत राजपूत शामिल हैं। सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना अंडा में अपराध क्रमांक 63/2026 और 64/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 3(5) तथा कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

40 पाव देशी शराब के साथ कोचिया गिरफ्तार

महासमुंद। जिले में आमजनों की शिकायतों और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई के लिए संचालित समाधान सेल एक बार फिर प्रभावी साबित हुई है। समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी बया की टीम ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में चौकी बया पुलिस ने ग्राम बया में घेराबंदी कर आरोपी को अवैध रूप से शराब ले जाते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी की पहचान हेकनाथ सेन (36 वर्ष) निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर, थाना पिथौरा, जिला महासमुंद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 पाव देशी प्लेन शराब, जिसकी कीमत लगभग 3,200 रुपये आंकी गई है, जब्त की। साथ ही शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 06 जीके 5053 को भी जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ चौकी बया में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

रस्सी से बांधकर 7 साल की 2 बच्चियों से रेप

चॉकलेट देने के बहाने दुष्कर्म किया, मां बोली- आरोपी को वीआईपी ट्रीटमेंट दे रही पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना इलाके में 17 साल के एक नाबालिग ने चॉकलेट देने के बहाने 7 साल की दो बच्चियों से रेप किया। आरोपी ने उनके साथ मारपीट भी की। जब परिजनों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो वह भाग निकला। इस मामले में पीड़ित बच्चियों की मां ने पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित बच्चियों की मां का कहना है कि शिकायत के बावजूद पुलिस आरोपी लड़के को पकड़ने के बजाय उसकी मां से बातचीत करने में लगी रही। लड़के की मां ने पुलिस को 10-20 हजार रुपए देने की पेशकश भी की थी। जब परिजनों ने गिरफ्तारी में देरी पर आपत्ति जताई, तब कहीं जाकर पुलिस लड़के को थाने लेकर आई।

पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर लापरवाही बरतने, सबूत नहीं जुटाने, एफआईआर दर्ज करने में देरी करने, आरोपी लड़के को वीआईपी सुविधा देने और समझौते के लिए मानसिक दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने बिलासपुर एसएसपी रजनेश सिंह से मिलकर शिकायत की गई जिसके बाद एएसआई शीतला प्रसाद त्रिपाठी को बिलासपुर लाइन अटैच किया गया है।

पीड़ित बच्चियों के परिजनों के मुताबिक, आरोपी नाबालिग लड़का चॉकलेट खिलाने के बहाने पिछले कई दिनों से बच्चियों के साथ गलत हरकत कर रहा था। 27 मई को परिजनों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। वह गलत काम करते समय बच्चियों को रस्सी से बांधकर रखता था। 29 मई को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार तो कर लिया, लेकिन मौके से सबूत जब्त नहीं किए। वारदात से जुड़े सामान (रस्सी और दूसरी चीजों) और बाकी सबूतों की जानकारी पुलिस को तुरंत दी गई थी। उनसे इन चीजों को फौरन जब्त करने को कहा गया था, इसके बावजूद सिरगिट्टी पुलिस ने सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। पुलिस की इस लापरवाही से अब जरूरी सबूतों के नष्ट होने की आशंका है।

घटना की जानकारी देने के बाद भी सिरगिट्टी पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। पीड़ित परिवार सुबह से देर रात तक थाने और अधिकारियों के चक्कर काटता रहा। हालांकि, वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई।

आरोप लगाया गया है कि घटना के बाद बच्चियों का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें उनके निजी अंगों में दर्द होने की पुष्टि हुई और संकेत मिले। इसके बावजूद पुलिस मामले को शुरू से ही कमजोर करने की कोशिश कर रही है। मासूम बच्चियों से बार-बार पूछताछ कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल 'नील' कर दिया है।

पीड़ित बच्ची की मां ने शिकायत की थी थाना प्रभारी और जांच अधिकारी केस की निष्पक्ष जांच करने के बजाय मामले को दबाने और समझौते का दबाव बना रहे हैं। पुलिस पीड़ित परिवार से कह रही है कि आरोपी तो पड़ोस का ही रहने वाला और जान-पहचान का लड़का है, इसलिए मामले को यहीं रफा-दफा कर लो।

शिकायत के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने एएसआई शीतला प्रसाद त्रिपाठी को बिलासपुर लाइन अटैच कर दिया है। डीएसपी अनिता प्रभा मिंज के छुट्टी पर रहने की वजह से उनकी जगह पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रश्मित कौर चावला (आईयूसीएडब्ल्यू) को जांच का जिम्मा सौंपा है।

पीड़ित पक्ष ने ये भी कहा था कि थाने में आरोपी की मां को बैठाकर रखा गया और उन्हें पुलिस की तरफसे विशेष सुविधाएं दी जा रही है। उन्होंने टीआई और स्टाफ पर आरोपी को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुलिस पीड़ित पक्ष को धूप में बिठाती है, जबकि आरोपी के साथ अच्छा व्यवहार किया जा रहा है। उसके परिवार के लोग उससे तीन-तीन बार मिलने आ रहे हैं। जिससे जांच की पारदर्शिता संदिग्ध हो गई है। आरोपी पक्ष की तरफ से पीड़ित परिवार को लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे बच्चियों और पूरे परिवार डरे हुए हैं।

पीड़ित परिवार की 7 मांगें

- इस केस की जांच किसी बड़े और स्वतंत्र पुलिस अधिकारी से कराई जाए।
- घटना से जुड़े सभी सामान तुरंत जब्त कर उनकी सही तरीके से जांच हो।
- एफआईआर लिखने में देरी और सबूत जुटाने में लापरवाही बरतने वालों की अलग से जांच की जाए।
- सिरगिट्टी थाना प्रभारी अभय सिंह बैस, सब इंस्पेक्टर शीतल प्रसाद त्रिपाठी और जांच अधिकारी संतोषी अग्रवाल की भूमिका की जांच हो और इन्हें पद से हटाया जाए।
- जब तक जांच पूरी न हो, तब तक इन अधिकारियों को इस केस से पूरी तरह दूर रखा जाए।
- पीड़ित बच्चियों और उनके परिवार को तुरंत पुलिस सुरक्षा दी जाए।
- मामले की बिना किसी भेदभाव के समय पर जांच कर दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो।

रेडियो एक्टिव सामान बेचने के नाम पर 3 करोड़ से अधिक की ठगी, 3 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। दुर्लभ एवं रेडियो एक्टिव वस्तु बेचने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर एक व्यक्ति से 3 करोड़ 8 लाख 78 हजार रुपये ठगने का आरोप है। मामले में थाना गांधीनगर में अपराध दर्ज कर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी दुर्लभ वस्तु और रेडियो एक्टिव पैकिंग बेचने का लालच

देकर प्रार्थी को अपने जाल में फंसाया और चरणबद्ध तरीके से करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। शिकायत मिलने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस और साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस की टीम पश्चिम बंगाल, वाराणसी और बिहार तक पहुंची। कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पटना रेलवे स्टेशन से तथा एक आरोपी को वाराणसी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एटीएम कार्ड, चेकबुक और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पूछताछ में करोड़ों रुपये की ठगी से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

पुलिस आरोपियों के बैंक खातों और अन्य वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

उर्वरक कारोबारियों पर प्रशासन की कार्रवाई, एक दुकान से 9 टन यूरिया जब्त तो दूसरी पर 21 दिन का विक्रय प्रतिबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में किसानों को निर्धारित मात्रा और उचित व्यवस्था के तहत उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देश पर उर्वरक दुकानों की सघन जांच जारी है। इसी क्रम में संयुक्त जांच दल द्वारा पुसौर क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसके बाद जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान से 9 टन यूरिया जब्त किया है, जबकि दूसरी दुकान पर 21 दिनों का विक्रय प्रतिबंध लगाया गया है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि संयुक्त जांच दल ने अग्रवाल खाद भंडार, पुसौर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में एचयूआरएल कंपनी का लगभग 09 टन यूरिया भौतिक रूप से भंडारित पाया गया। जांच के समय उपलब्ध स्टॉक पंजी, विक्रय अभिलेख एवं पीओएस मशीन का मिलान करने पर उक्त यूरिया की कोई प्रविष्टि दर्ज नहीं मिली। जांच दल ने पाया कि वास्तविक भंडारण और अभिलेखों में दर्ज स्टॉक के बीच स्पष्ट अंतर है। प्रथम दृष्टया यह मामला उर्वरक भंडारण एवं विक्रय से संबंधित नियमों के उल्लंघन का प्रतीत होने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे 09 टन यूरिया को जब्त कर जप्ती पंचनामा तैयार किया तथा आगे की विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी है।

संयुक्त जांच दल ने आज बाबा मोहनदास एग्रो शॉप, पुसौर का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान एसएसपी उर्वरक के स्टॉक का मिलान करने पर पीओएस एंट्री, स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक भंडारण में अंतर पाया गया। अधिकारियों के अनुसार दुकान में उपलब्ध उर्वरक की मात्रा और अभिलेखों में दर्ज आंकड़ों में विसंगति सामने आई, जो उर्वरक वितरण व्यवस्था में गंभीर लापरवाही और नियमों के उल्लंघन की ओर संकेत करती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त जांच दल ने प्रथम दृष्टया उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला मानते हुए संचालक के विरुद्ध नियमानुसार 21 दिनों का विक्रय प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की है।

खरीफ सीजन को देखते हुए जिले में उर्वरकों की उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसानों के लिए निर्धारित उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण अथवा अभिलेखों में गड़बड़ी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़: 4 युवतियां और 2 दलाल हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान में संचालित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमार कार्रवाई के दौरान 4 युवतियों और 2 दलालों को हिरासत में लिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर सीएसपी मयंक मिश्रा, ट्रैफिक डीएसपी उत्तम सिंह और साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए टीवी टावर क्षेत्र स्थित एक मकान में दबिश दी। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने लंबे समय से इलाके में संदिग्ध गतिविधियों और देह व्यापार संचालित होने की शिकायत पुलिस से की थी।

शिकायतों के आधार पर पुलिस ने निगरानी के बाद छापा मारा, जहां से चार युवतियों और दो कथित दलालों को हिरासत में लिया गया। शुरुआती जांच में लंबे समय से यहां अवैध गतिविधियां संचालित होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ और दस्तावेजी जांच के बाद मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

पांच साल पुराने छेड़खानी मामले में तीन दोषियों को 3-3 वर्ष की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। महिलाओं की गरिमा भंग करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के पांच साल पुराने मामले में न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, घरघोड़ा के न्यायालय ने सुनाया।

दोषी ठहराए गए आरोपियों में तरुण कुमार साहू, छबिलाल साहू और उग्रसेन साहू शामिल हैं। मामले की विवेचना तत्कालीन थाना पूंजीपथरा में पदस्थ उपनिरीक्षक गिरधारी साव ने की थी, जबकि अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी सत्यनारायण महिलाने ने प्रभावी पैरवी की।

अभियोजन के अनुसार 23 अक्टूबर 2020 को पीड़िता ने थाना पूंजीपथरा में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 14 अक्टूबर 2020 को वह अपने मंगेतर के साथ बंजारी मंदिर, तराईमाल दर्शन के लिए गई थी। लौटते समय गोदगोदा नाला घाट के पास आरोपी वहां पहुंचे और दोनों के साथ गाली-गलौज की। आरोपियों ने कथित रूप से पीड़िता और उसके मंगेतर के कपड़े उतरवाकर अश्लील फोटो और वीडियो बनाए तथा उन्हें सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर रकम की मांग की।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किए। मोबाइलों की वैज्ञानिक जांच में पीड़िता के अश्लील वीडियो बनाए जाने के साक्ष्य मिले। न्यायालय में पीड़िता, उसके मंगेतर समेत नौ गवाहों के बयान दर्ज किए गए तथा 16 दस्तावेजी और भौतिक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए।

साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने तीनों आरोपियों को महिला की गरिमा भंग करने और अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देने का दोषी पाया। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354-क और 354-ग के तहत तीन-तीन वर्ष तथा धारा 509-क के तहत एक-एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया। हालांकि लूटपाट से संबंधित आरोपों को अभियोजन पक्ष न्यायालय में सिद्ध नहीं कर सका।

बस्तर पुलिस जलाएगी 2234 किलो गांजा और 64 नशीली सिरप, एनएमडीसी प्लांट में करेंगे राख

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर पुलिस 15 से 17 जून के बीच करीब 2234.648 किलो गांजा और 65 नशीली सिरप नष्ट करेगी। जिसकी कीमत करोड़ों में है। जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति ने निर्णय लिया है। ये गांजा पिछले कुछ समय में ही बस्तर के अलग-अलग लोकेशन से पकड़ा गया है। जिसकी तस्करी पड़ोसी राज्य ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के अन्य हिस्सों में हो रही थी।

बस्तर पुलिस के अनुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को नगरनार स्थित एनएमडीसी के भस्मीकरण संयंत्र में जलाकर नष्ट किया जाएगा। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट की तरफसे जारी निर्धारित निर्देशों के तहत की जा रही है। एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के सुरक्षित निपटान के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति ने जब्त किए

गए गांजा और अन्य मादक पदार्थों के नष्टीकरण का निर्णय लिया है। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक अधिकारियों और समिति के सदस्यों की मौजूदगी में होगी और इसका दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए कड़ा संदेश होगी। साथ ही जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को भी मजबूती मिलेगी। पुलिस लगातार गांजा तस्करी और अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और बड़ी मात्रा में जब्ती की जा रही है।

तीन दिन में होगा नष्टीकरण

15 जून को 772.482 किलोग्राम गांजा और 65 नशीली सिरप नष्ट की जाएंगी। 16 जून को 981.198 किलोग्राम गांजा नष्ट किया जाएगा। 17 जून को 480.968 किलोग्राम गांजा नष्ट किया जाएगा।

राजनांदगांव में अवैध खाद से भरा ट्रक पकड़ाया

ओडिशा से लाई जा रही 197 बैग बायो पोटाश और ग्रो सुपर सोमनी पुलिस को सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में अवैध खाद और कृषि सामग्री के परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। कृषि विभाग ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए 197 बैग खाद से भरे एक ट्रक को जब्त किया। यह खाद बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन की जा रही थी। यह कार्रवाई राजनांदगांव ब्लॉक के ग्राम परसबोड़ में की गई।

कृषि विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम परसबोड़ में एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है, जिसमें अवैध रूप से खाद की खेप लाई गई है। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान वहां ट्रक नंबर ओडी 17 एस 7676 खड़ा पाया गया।

ट्रक की तलाशी में 197 बैग खाद बरामद

टीम ने जब ट्रक की तलाशी ली, तो उसमें भारी मात्रा में खाद लोड थी। ट्रक में कुल 197 बैग खाद बरामद की गई, जिसमें 37 बैग बायो पोटाश और 160 बैग ग्रो सुपर (दानेदार) शामिल थे।

कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जब ट्रक के ड्राइवर से खाद के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज, बिल या परमिट की मांग की गई, तो ड्राइवर कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

पूछताछ करने पर ड्राइवर ने बताया कि वह इस खाद की खेप को संबलपुर (ओडिशा) से लोड करके लाया था और उसे इसे राजनांदगांव में खाली करने के निर्देश दिए गए थे। बिना किसी वैध कागजात के खाद का यह परिवहन पूरी तरह अवैध पाया गया।

खाद सहित ट्रक को जब्त

वैध दस्तावेजों के अभाव और अवैध परिवहन का मामला पाए जाने पर कृषि विभाग की टीम ने तत्काल जब्ती की कार्रवाई की। खाद सहित ट्रक को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस थाना सोमनी को सुपुर्द कर दिया गया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस मामले में सोमनी पुलिस जांच कर रही है कि जब्त की गई खाद राजनांदगांव में किसके पास पहुंचाई जानी थी।

कटघोरा रोड पर दो बाइक भिड़ीं, एक युवक की मौत

गेवरा-दीपका। दीपका थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम करीब 4 बजे दो मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसा कटघोरा रोड पर आईसीआईसीआई बैंक के पास हुआ। मृतक की पहचान राम कैलाश बिंझवार (30) निवासी गोबरघोरा, दीपका के रूप में हुई है।

हादसे में राम कैलाश के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही दीपका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हादसे का कारण वाहनों का तेज रफ्तार होना बताया जा रहा है।

प्रगतिशील युवा विकसित छत्तीसगढ़

खेल प्रोत्साहन योजना लागू, ओलंपिक विजेताओं के लिए **₹1-3 करोड़** का पुरस्कार और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल ढांचे का विकास

सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट, लगभग **32,000 पदों** पर भर्ती

नवा रायपुर में क्रिकेट अकादमी की स्थापना हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को **7.96 एकड़** भूमि आवंटित

160 आईटीआई को मॉडल संस्थान में बदलने हेतु **₹484 करोड़** स्वीकृत

राज्य में युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए **उद्यम क्रांति** योजना

34 नगरीय निकायों में "नॉलेज बेस्ड सोसाइटी" हेतु **लाइट हाउस** निर्माण की पहल

RO-47590/42

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950